

केंद्रीय कृषिमंत्री ने एनएससी के जैविक बीज फार्म का कथिा शलान्यास

चर्चा में क्यों?

25 सितंबर, 2022 को केंद्रीय कृषि एवं कसिान कल्याण मंत्री नरेंद्र सहि तोमर ने मुरैना में राष्ट्रीय बीज नगि (एनएससी) के जैविक बीज फार्म का शलान्यास कथिा । इसके प्रारंभ होने पर मध्य प्रदेश के कसिानों को तलिहन के नए जैविक बीज उपलब्ध होंगे ।

प्रमुख बदि

- केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने मुरैना में जैविक बीजों के उत्पादन के लथि बीहड़ कषेत्र में भूमि सुधार कर फार्म स्थापति करने का नरिणय लथिा है । इसके लथि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा केंद्रीय कृषि मंत्रालय को मुरैना के 4 गाँवों गडोरा, जाखौना, रठौरा खुरद और गोरखा में 34 हेक्टे. जमीन आवंटति की गई है ।
- केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने मुरैना में जैविक बीजों के उत्पादन के लथि फार्म वकिसति करने की जमिमेदारी एनएसपी को सौंपी है । इस फार्म से कसिान आधुनकि पद्धतथिों से अवगत होंगे । उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले बीज मलेंगे ।
- मुरैना में रेवाईस कषेत्र में बीज उत्पादन से भूमि में सुधार होगा व भूमि उपजाऊ होगी । स्थानीय कसिान भूमि सुधार से प्रेरति होकर अपने खेतों में भी भूमि सुधार कर नवीनतम वैज्ञानकि पद्धतथि से बीज उत्पादन कर खेती में कम लागत से उच्च आर्थकि लाभ प्राप्त कर सकेंगे ।
- एनएससी के वशिषज्ञों द्वारा स्थानीय और प्रदेश के कसिानों को ट्रेनिंग के जरथि नवीनतम बीज उत्पादन तकनीक सखिाई जाएगी । स्थानीय शर्मकियों को फार्म में भूमि सुधार एवं बीज उत्पादन से रोजगार प्राप्त होगा । कसिानों को नवीनतम एवं आनुवंशकि व भौतिक रूप से शुद्ध जैविक तलिहन बीज प्राप्त होने से अच्छा उत्पादन प्राप्त होगा, जसिसे न केवल प्रदेश के कृषकों के सामाजकि-आर्थकि स्तर में सुधार होगा, बल्कि कृषकों को पोषण सुरक्षा भी प्राप्त होगी ।
- केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मुरैना का बीज फार्म कसिानों की प्रगतथि के लथि वज्जान व अनुसंधान का पूरा उपयोग करेगा । बीज कृषकिा आधार व प्रमुख आदान है । उन्होंने कहा कि खेती के लथि अच्छे बीजों की उपलब्धता से उत्पादकता में वृद्धि और कसिानों के लथि उच्च आय के अलावा एग्री इको-सिस्टम व अर्थ-व्यवस्था को समग्र रूप से लाभ होता है ।
- केंद्र सरकार, राज्यों में बीज उपलब्धता सुनिश्चति करने के साथ ही वविधि योजनाओं द्वारा बीज वतिरण में सहायता करती है । केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने फसलों के गुणवता वाले बीज उत्पादन और गुणन बढ़ाने के लथि 2014-15 से बीज और रोपण सामग्री सब मशिन लागू कथिा है, ताकि कसिानों को प्रयाप्त बीज मलें ।
- बीज संबंधी वभिन्न गतविविधियों के जरथि राज्यों व सार्वजनकि कषेत्र के बीज संगठनों को, बीज गुणवत्ता नयितरण को मजबूत कथिा जा रहा है । बीते 8 साल में व्यावसायकि खेती के लथि 304 कसिमें अधिसूचति की गई है ।
- केंद्रीय मंत्री तोमर ने बताया कि पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने राष्ट्रीय चंबल वन्य जीव अभयारण्य की 207 हेक्टेयर भूमि को डी-नोटफिकेशन करने की अनुशंसा का बड़ा फैसला लथिा है । इस अभयारण्य कषेत्र के राजस्व भूमि होने से रेत की उपलब्धता के कारण स्थानीय स्तर पर रोजगार भी बढ़ेंगे ।